ᱥᱟᱱᱛᱟᱲᱤ-ᱵᱟᱝᱞᱟ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤ ᱮᱛᱚᱦᱚᱵ

সাঁওতালি-বাংলা ভাষা প্রবেশিকা

संताली-बंगला भाषा प्रवेशिका

SANTALI-BENGALI PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

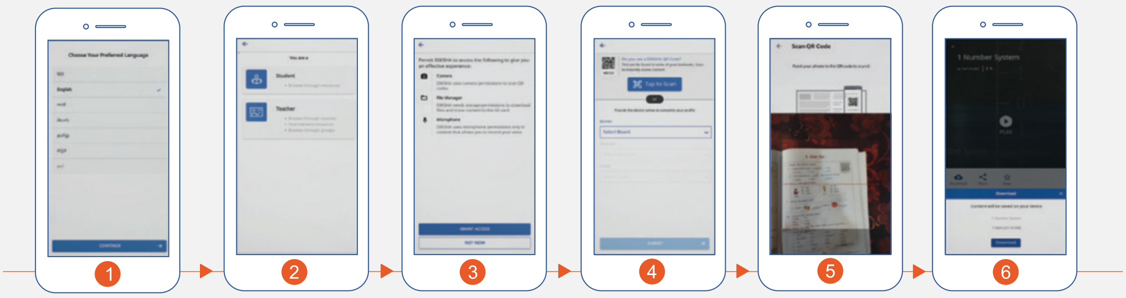

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

ᱥᱟᱱᱛᱟᱲᱤ-ᱵᱟᱝᱞᱟ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤ ᱮᱛᱚᱦᱚᱵ

সাঁওতালি-বাংলা ভাষা প্রবেশিকা

संताली–बंगला भाषा प्रवेशिका

SANTALI-BENGALI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education,GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821-2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi-110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

ᱥᱟᱱᱛᱟᱲᱤ-ᱵᱟᱝᱞᱟ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤ ᱮᱛᱦᱚᱵ
[illegible]ংলা ভাষা প্রবেশিকা
संताली–बंगला भाषा प्रवेशिका
SANTALI-BENGALI PRIMER

A basal reader of Santali (Olchiki) alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/ Anganwadi level and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Bholanath Saren
Reti Sarkar

ISBN: 978-81-970769-5-4

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Shwetha K
Cover Photo: Bholanath Saren

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफ़ारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

स्वच्छ भारत

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् , नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to ‘Viksit Bharat’. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

দেশের বিভিন্ন অঞ্চলে বিভিন্ন কথ্যভাষা নিয়ে ভারত যুগযুগ ধরে একটি বহুভাষী দেশ। কথোপকথনে একাধিক ভাষা ব্যবহার করা দেশের একটি সাধারণ বৈশিষ্ট্য; এটি আমাদের একত্রে আবদ্ধ করে এবং ঐক্যবদ্ধ রাখে। জাতীয় শিক্ষানীতি (NEP) 2020 দৃঢ়ভাবে এই ধারণার উপর জোর দেয় যে, ভারতের বহুভাষিক প্রকৃতি একটি বিশাল সম্পদ যা দেশের সামাজিক-সাংস্কৃতিক, অর্থনৈতিক এবং শিক্ষাগত উন্নয়নের জন্য দক্ষতার সাথে ব্যবহার করা প্রয়োজন। এটি প্রতিটি স্তরে শিক্ষায় বহুভাষিকতা প্রচারের সুপারিশ করে যাতে শিক্ষার্থীরা তাদের নিজস্ব ভাষায় পড়াশুনা করার সুযোগ পায়। সমস্ত ভারতীয় ভাষায় শিক্ষণ ও শিখন উপকরণ তৈরি এই বহুভাষিক সম্পদকে বাড়িয়ে তুলবে এবং 'বিকশিত ভারত' এর রূপকল্পে আরও ভালো অবদান রাখবে। জাতীয় শিক্ষানীতি (NEP) 2020 এর সাথে সামঞ্জস্য রেখে প্রারম্ভিক শ্রেণির বিকাশের জন্য একটি ব্যাপক ও অন্তর্ভুক্ত পদ্ধতির প্রয়োজন যা ভারতের প্রতিটি অঞ্চলের অন্যান্য ভাষাগত এবং সাংস্কৃতিক বৈশিষ্ট্যগুলিকে উপস্থাপিত করে। এই প্রবেশিকার উদ্দেশ্য হল পড়া ও লেখার ক্ষেত্রে শুধুমাত্র ভাষার দক্ষতা প্রদান করা নয় বরং প্রাথমিক পর্যায়ের শিক্ষার্থীদের সৃজনশীলতা এবং সমালোচনামূলক চিন্তাভাবনাকে উৎসাহিত করা। এটি একটি ভাষার বর্ণমালার হরফ এবং প্রতীক ও উচ্চারণ স্বীকৃতির চাবিকাঠি। এই প্রবেশিকা বর্ণের এক বা একাধিক পর্যায়ের সাথে শিশুদের পরিচয় করিয়ে দেয় যা বর্ণগুলির সংমিশ্রণের মাধ্যমে তৈরি করা হয়, যেমন শব্দের প্রারম্ভিক, মধ্যবর্তী ও অন্ত্য অবস্থানের বর্ণ। সেইসাথে এটি এমন উদাহরণ তৈরি করে যা পরবর্তিতে প্রবর্তিত বর্ণ লেখার অনুশীলনকে সহজতর করবে এবং ছড়াগুলি শিক্ষার্থীদের ভাষা বিকাশ এবং জ্ঞানীয় দক্ষতায় সাহায্য করবে।

मार्च, 2024
मैसूरू

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरू

CIIL-NCERT Primer Series: Santali-Bengali Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Basanta Kumar Panda, Project Director, Centre of Excellence for Studies in Classical Odia, Bhubaneswar
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Member Coordinators

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Sujoy Sarkar, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru
Sanjaya Kumar Bag, Odia Lecturer, Eastern Regional Langauge Centre (ERLC), CIIL, Bhubaneswar

Resource Persons

Thakurdas Hansdah, Assistant Director, District Planning & Monitoring Unit (DPMU), Koraput
Babita Kisku, Consultant Interpreter (Santali), Lok Sabha, New Delhi
Bholanath Saren, Resource Person (Teaching) in Santali, ERLC, CIIL, Bhubaneswar
Anima Baskey, RP (Teaching) in Santali, ERLC, CIIL, Bhubaneswar
Reti Sarkar, RP, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru

Reviewer

Sadhan Kumar Mandi, Assistant Teacher, Barnan High School, Purba Medinipur, West Bengal

Bengali Reviewer

Sanjiban Mandal, RP (Teaching) in Bengali, ERLC, CIIL, Bhubaneswar

Design Team

Nandakumar L, Junior Resource Person (Technical), National Translation Mission (NTM), CIIL, Mysuru
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

সাঁওতালি-বাংলা ভাষা প্রবেশিকা বইটি কিভাবে পড়াবেন

সাঁওতাল সম্প্রদায় ভারতের ঝাড়খন্ড, পশ্চিমবঙ্গ এবং ওড়িশা রাজ্যের বৃহত্তম উপজাতি এবং তাঁদের উপস্থিতি আসাম, বিহার, ত্রিপুরা প্রভৃতি রাজ্যেও রয়েছে। সাঁওতালরা আদি-অস্ট্রেলীয় (প্রোটো-অস্ট্রালয়েড) গোষ্ঠীর একটি অংশ। এসব মানুষ প্রধানত কৃষি ও বন সংক্রান্ত কাজের উপর বেশি নির্ভরশীল। তাঁদের ভাষা সাঁওতালি যা অস্ট্রিক ভাষা পরিবারের অন্তর্গত। এই জনজাতির সাংস্কৃতিক ঐতিহ্য যেমন- উৎসব, সঙ্গীত ও নৃত্য জাতির সমৃদ্ধময় পরম্পরা প্রদর্শন করে। সমগ্র সাঁওতাল সম্প্রদায় বিশেষ নৃত্য দক্ষতায় পরিচিত। বাহা, সাড়পা, দাঁশায়, দঁগেড় এবং ডান্টার মতো নৃত্য এঁরা পরিবেশন করে থাকেন। জটিল খোদাই শৈলীর জন্যও এঁরা প্রশংসিত। ঐতিহ্যবাহী সাঁওতাল বাড়ির দেওয়ালে খোদাই করা নকশা, শিকারের দৃশ্য, নাচের দৃশ্য এবং আরও অনেক দৃশ্য দিয়ে অলঙ্কৃত থাকে। সাঁওতালরা নিজস্ব সামাজিক রীতিনীতি মেনে চলে ও এঁদের জীবনযাপন সহজ সরল।

জাতীয় শিক্ষানীতি ২০২০ এবং মৌলিক স্তরের জাতীয় পাঠক্রম কাঠামো ২০২২ এর অধীনে তিন থেকে আট বছর বয়সী শিশুদের তাদের মাতৃভাষা/স্থানীয় ভাষা/আঞ্চলিক ভাষায় শিক্ষা প্রদানের ব্যবস্থা করা হয়েছে। ভারতের গ্রামাঞ্চলের শিশুরা শ্রেণিকক্ষের শিক্ষা ব্যবস্থা বুঝতে সক্ষম নয়। এই বিষয়টি বিদ্যালয়ের শিক্ষা ব্যবস্থাকে প্রভাবিত করে। এই কারণেই কেন্দ্রীয় সরকার কিন্ডারগার্টেনে তিন থেকে আট বছর বয়সী শিশুদের এবং প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রেণির শিশুদের প্রাথমিক স্তরে মৌলিক সাক্ষরতা প্রদানের ব্যবস্থা করেছে।

এতে স্থানীয় গান ও কবিতার মাধ্যমে শিশুদের মৌখিক ভাষার বিকাশের উপর গুরুত্ব দেওয়া হয়েছে। এই প্রবেশিকায় কবিতা ও ছবির মাধ্যমে এ কাজ করা হচ্ছে। এর পাশাপাশি শিশুদের ধ্বনি পরিচিতি, বর্ণমালা পরিচিতি ও লেখার অনুশীলনের জন্য ভাষা প্রবেশিকা ব্যবহার করা হচ্ছে।

পশ্চিমবঙ্গে সাঁওতাল জনজাতির সংখ্যা হল ২,৪২৯,০৭৩। কিন্ডারগার্টেন স্তর থেকে তৃতীয় শ্রেণি পর্যন্ত শিশুদের তাদের মাতৃভাষায় পাঠদান তাদের বুদ্ধিবৃত্তিক বিকাশের পাশাপাশি তাদের সৃজনশীলতা এবং কল্পনাশক্তির বিকাশে সহায়তা করতে পারে। শিশুরা তাদের মাতৃভাষায় পড়তে এবং লিখতে শেখার সময় কিভাবে ধীরে ধীরে বাংলা পড়তে, লিখতে এবং শিখতে পারবে তার সঠিক পদ্ধতিটি প্রাথমিক স্তরের জাতীয় পাঠক্রম কাঠামো ২০২২ এ বিশদভাবে বর্ণনা করা হয়েছে। শিশুরা প্রথমে পড়তে এবং লিখতে শেখে। তাই সাঁওতালি ভাষার বর্ণমালা (অলচিকি) বইতে শিশুদের মাতৃভাষার সমস্ত ধ্বনি, বর্ণ এবং স্কুলের বাংলা ভাষাকে স্থান দেওয়া হয়েছে। বইটিতে দেওয়া শব্দগুলো শিশুদের সংস্কৃতি ও পরিবেশ থেকে সংগ্রহ করা হয়েছে।

বহুভাষিক শিক্ষার মূল লক্ষ্য হল শিশুদেরকে তাদের মাতৃভাষা দ্বারা লেখাপড়া শেখানো শুরু করা এবং তাদের আঞ্চলিক ভাষায় পঠন ও লেখন দক্ষতা বৃদ্ধি করা। সাঁওতালি এবং বাংলা ভাষায় উপস্থাপিত এই পুস্তিকাটি পশ্চিমবঙ্গ রাজ্যের শিক্ষক-শিক্ষিক্ষা এবং ছাত্র-ছাত্রীদের জন্য নির্মিত। মৌলিক সাক্ষরতার চারটি প্রধান পর্যায় রয়েছে। প্রথম পর্বে কবিতা, গল্প ও ছবির মাধ্যমে শিশুদের মেধা বিকাশ করা হয়। এরপরে ভাষা শেখার জন্য শিশুদের শব্দের পাশাপাশি বস্তুর সাথে পরিচয় করিয়ে দেওয়া হয় এবং শব্দে সাজানো বর্ণ বা ধ্বনিগুলির সঙ্গে পরিচয় করানো হয়। এই উপরোক্ত ক্রমানুসারে শিশুরা বিভিন্ন বর্ণ, ধ্বনি বা অক্ষর চিনতে শেখে। এইভাবে শিশুরা শব্দ এবং ধ্বনি বা বর্ণের মধ্যে সংযোগ বুঝতে পারে। ভাষা প্রবেশিকা কিভাবে পড়াতে হবে সেই বিষয়গুলো নীচে উল্লেখ করা হল-

ধ্বনি পরিচয় :

শিশুরা ছবি দেখে বস্তুর নাম বলবে এবং শিক্ষক/শিক্ষকা জিজ্ঞাসা করবেন ছবির নাম কোন ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শুরু হয়েছে? যেমন সাঁওতালি ভাষার 'ᱥᱟᱨᱡᱚᱢ' শব্দটি। শিশুরা ছবি দেখে চিনবে যে এই শব্দটি 'ᱥ' ধ্বনি দিয়ে শুরু হয়েছে।

বর্ণ পরিচয় :

শিক্ষক/শিক্ষকা প্রথমে বাচ্চাদের বলবেন 'ᱚ' ধ্বনি বা বর্ণটি দেখতে কেমন? তারপর তাদের শব্দের মধ্য থেকে 'ᱚ' ধ্বনি বা বর্ণটি চিহ্নিত করতে বলা হবে। শিশুরা তিন চারটি শব্দ থেকে 'ᱚ' ধ্বনি বা বর্ণটিকে চিহ্নিত করবে। এরপর বর্ণটি উচ্চারণ এবং লেখার অভ্যাস করবে।

পড়া :

শিশুরা ছবি দেখে তাদের নিজের ভাষায় শব্দটি বলবে। সেই শব্দে আঙুল বুলিয়ে শিশুরা সাঁওতালি শব্দ 'ᱚᱛᱚᱝ' পড়বে। একইভাবে অন্যান্য শব্দ পড়ে তারা 'ᱚ' ধ্বনি বা বর্ণটি চিনবে এবং এটি উচ্চারণ করবে। শব্দের শুরুতে, মধ্যে বা শেষে 'ᱚ' ধ্বনি বা বর্ণটি কোথায় এসেছে সেটা শিক্ষক/শিক্ষকারা শিশুদের বুঝিয়ে বলবেন।

শিক্ষক/শিক্ষকা বোর্ডে 'ᱚᱛᱚᱝ' ছাড়াও তিন চারটি শব্দ আরও লিখবেন। তারপর শিশুদের একে একে ডেকে শব্দগুলো পড়তে বলবেন এবং ধ্বনি বা বর্ণ শনাক্ত করতেও বলবেন। যেহেতু এইসমস্ত শব্দ শিশুদের পরিচিত পরিবেশ থেকে নেওয়া হয়েছে, তাই তারা বই এর ছবি দেখে শব্দগুলো চিনতে পারবে এবং সহজে বলতে পারবে। শিক্ষক/শিক্ষকা একটি শব্দ লিখবেন এবং শিশুদের প্রতিটি ধ্বনি বা বর্ণ আলাদা ভাবে পড়তে বলবেন। তারপর ধ্বনি বা বর্ণগুলোকে একত্রিত করে উক্ত শব্দটি পড়তে বলবেন। এর মাধ্যমে শিশুরা ধ্বনি, বর্ণমালা ও শব্দের সাথে পরিচিত হবে। যখন একটি শিশু একটি শব্দ পড়বে, তখন অন্যান্য শিশুরা তার সাথে যোগ দেবে এবং শব্দটি পুনরাবৃত্তি করবে। একে বলা হয় 'সম্মিলিত' পড়ানো।

লেখা :

শিক্ষক/শিক্ষকা প্রথমে শিশুদের 'ᱚᱛᱚᱝ' শব্দের 'ᱚ' ধ্বনি বা বর্ণ লিখতে শেখাবেন। এরজন্য শিক্ষক/শিক্ষকা শিশুদেরকে একটি কলম/পেনসিল কিভাবে ব্যবহার করতে হয় তাও শিখিয়ে দেবেন। একে বলা হয় 'সমর্থক লেখা'। এরপর শিশুরা নিজেরাই বইটিতে দেওয়া ফাঁকা জায়গায় 'ᱚ' বর্ণটি লিখবে। এই পুরো প্রক্রিয়ায় শিক্ষক/শিক্ষকারা শিশুদের সাহায্য করবেন।

শিশুদের মৌখিক ভাষা বিকাশের জন্য প্রতিটি পৃষ্ঠায় দুই চার লাইনের একটি করে কবিতা দেওয়া হয়েছে। শিক্ষক/শিক্ষকা কবিতাগুলো পড়া বা গান করার পর শিশুদের সাথে আলোচনা করবেন। শিক্ষক/শিক্ষকা স্কুল লাইব্রেরিতে পাওয়া শিশুদের গল্পের বই থেকে গল্প বর্ণনা করবেন এবং শিশুদের সাথে আলোচনা করবেন। তারা প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রেণির শিশুদের সাথে তাদের মাতৃভাষায় গল্প ও গান শোনাবেন।

এই প্রবেশিকায় প্রদত্ত শব্দগুলি সাক্ষরতার একটি নমুনা মাত্র। শিশুরা শত শত শব্দ জানে। অতএব, একটি বর্ণ সমন্বিত একটি শব্দ জিজ্ঞাসা করলে তারা অনেক শব্দ বলতে পারবে। উদাহরণ স্বরূপ, শিক্ষক/শিক্ষকা জিজ্ঞাসা করবেন – আমাকে 'ᱚ' দিয়ে শুরু হওয়া কিছু শব্দ বলো।

শিশুদের সুবিধার জন্য প্রথমে সাঁওতালি ভাষার বর্ণমালা থেকে গান/শব্দ/বর্ণ দেওয়া হয়েছে। সাঁওতালি শেখার সময় শিশুরা তাদের মাতৃভাষার মাধ্যমে বাংলা শব্দ ও লিপি শিখতে পারবে।

রাজ্যের স্কুলগুলিতে বিতরণ করা 'শিক্ষক সহকারী পুস্তিকা' পড়ে মৌলিক সাক্ষরতা সম্পর্কে আরও তথ্য পাওয়া যেতে পারে।

বিঃদ্রঃ

সাঁওতালি ভাষায় 'অযোগবাহ বর্ণ' এর ব্যবহৃর আছে। এগুলির ব্যবহার প্রবেশিকার পরিশেষে দেওয়া হয়েছে।

নীচে দেওয়া রেখাগুলিকে দেখো আর শূন্যস্থানে সেইরকম রেখা আঁকো:

উল্লম্ব রেখা :

অনুভূমিক রেখা :

তির্যক রেখা ১ :

তির্যক রেখা ২ :

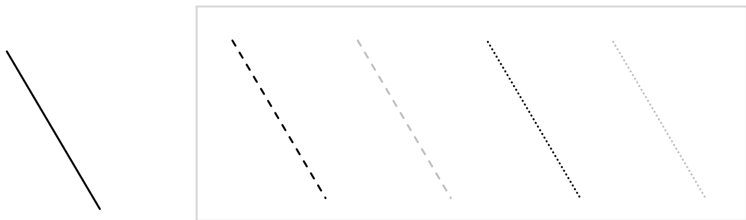

অর্ধবৃত্তকার রেখা ১ :

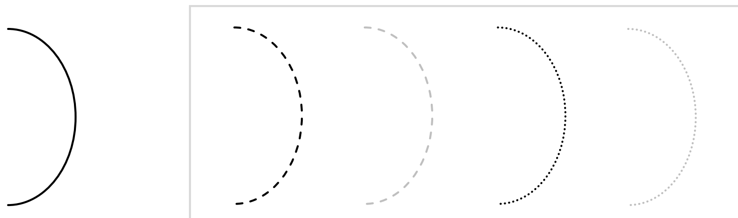

অর্ধবৃত্তকার রেখা ২ :

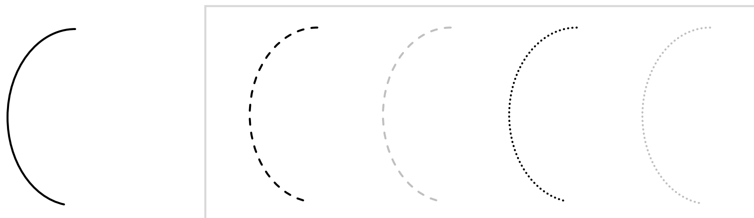

টীকা: শিক্ষক/শিক্ষকা এটি শেখাবেন যে কলম/পেনসিল কিভাবে ধরতে হবে আর উপরে দেওয়া স্থানগুলিতে রেখা কিভাবে বানাতে হবে।

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]		

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

•	.	:	~
–	[illegible]		

[illegible]	[illegible]
[illegible]	ঘর

[illegible]

[illegible]	ছারপোকা	[illegible]	নমস্কার	[illegible]	ফল

ᱛ

ᱛᱟᱞᱮ

ᱛ

তাল

ᱛᱟᱞᱮ ᱫᱟ ᱠᱟᱨᱮ ᱟᱵᱟᱲ,

ᱡᱥᱡᱞ ᱜᱮ ᱧᱮᱞᱚᱜ ᱵᱟᱲ ।

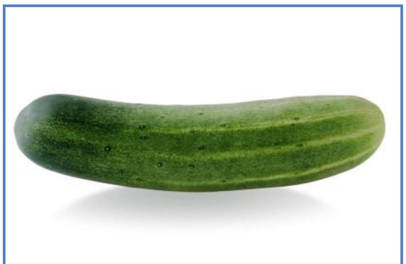

ᱛᱟᱣᱲᱤ	শসা	ᱠᱟᱛᱤᱚᱫ	কাস্তে	ᱥᱮᱛᱟ	কুকুর

ᱛ ᱛ ᱛ

ᱛ ᱛ ᱛ

[illegible]

[illegible]

ইঁদুর

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]	শকুন	[illegible]	কুমির	[illegible]	পাতার বাটি

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हलुद

[illegible]

[illegible]	पाखा	[illegible]	शाँखा	[illegible]	खामालु

[illegible]

[illegible]

ডুমুর

[illegible]

[illegible]

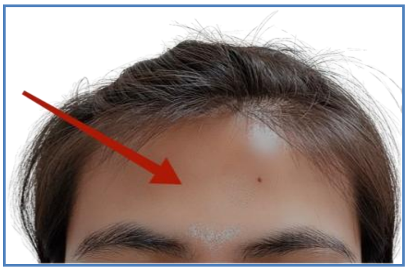

[illegible]	আরশোলা	[illegible]	কপাল	[illegible]	কেন্দু ফল

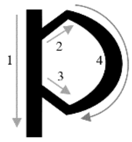

[illegible]	[illegible]
[illegible]	ধনুক
[illegible]	

[illegible]	শিলাবৃষ্টি	[illegible]	তির	[illegible]	ভাত

[illegible]	[illegible]
[illegible]	সিংহ
[illegible]	

[illegible] কাঁকড়া	[illegible] পেঁচা	[illegible] আলনা

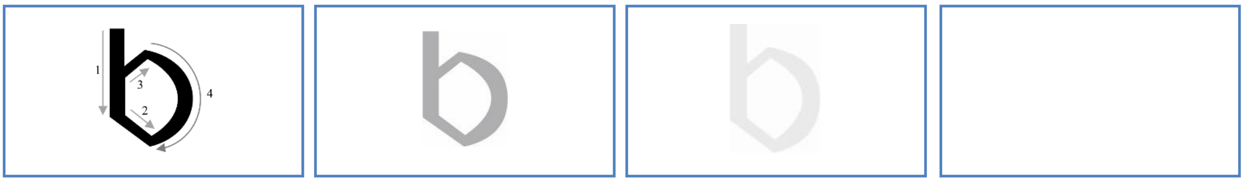

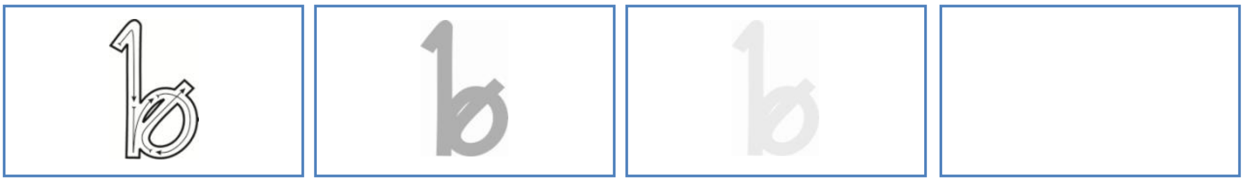

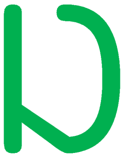

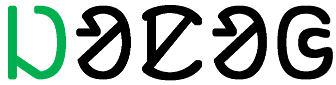

ঝাঁটা

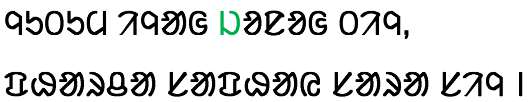

	হরিণ		তেঁতুল		মশা

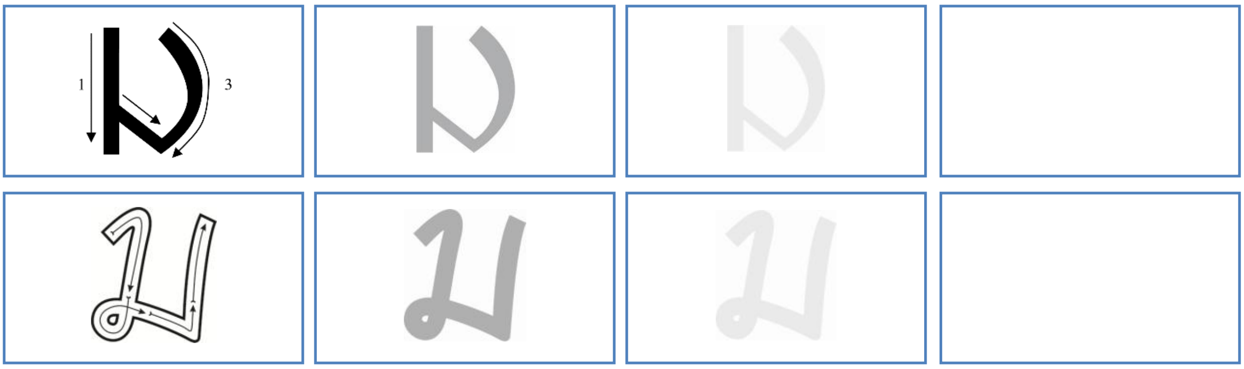

[illegible] | [illegible]

টিয়া

[illegible]

[illegible]	মহুল	[illegible]	নখ	[illegible]	জাল

ᱩ	ᱦᱟᱩ
ᱩ	কুরকুট
ᱦᱟᱩ ᱡᱚᱡᱚᱢ ᱵᱟᱨᱟ, ᱵᱟᱝ ᱵᱟᱳᱟᱩ ᱢᱟᱨᱟ ।	

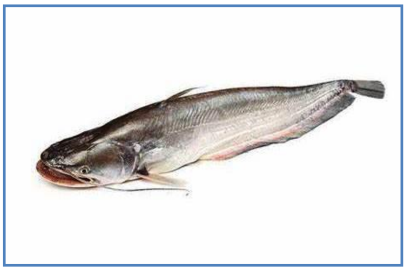
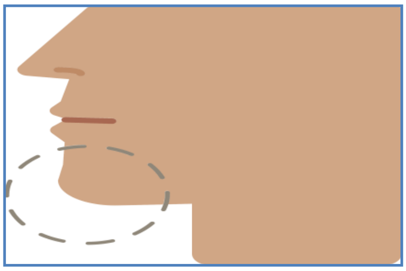

ᱪᱟᱩᱞᱮ	চাল	ᱵᱚᱩᱟᱞ	বোয়াল মাছ	ᱛᱮᱩᱟ	চিবুক

[illegible]

[illegible]

[illegible]

পালক

[illegible]

[illegible]

[illegible]	তারা	[illegible]	মুরগি	[illegible]	সরিষা

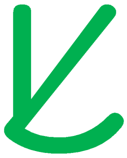

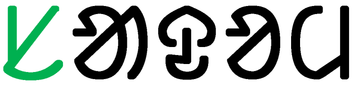

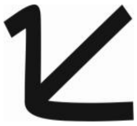

ঘোড়া

	পাতা		ভালাই		খড়

[illegible]

[illegible]

[illegible]

কচ্ছপ

[illegible]

[illegible]	লাউ	[illegible]	রাখাল	[illegible]	গুইসাপ

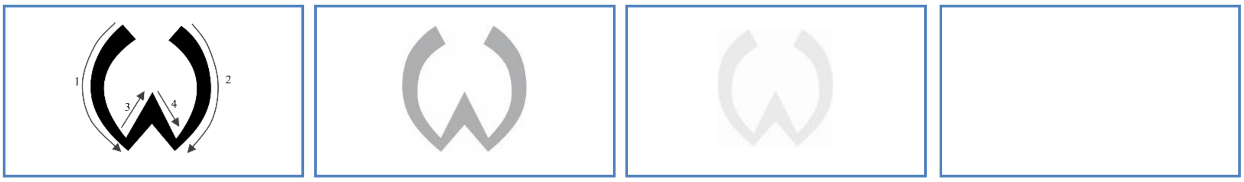

ᱧ	ᱧᱮᱯᱮ
ᱧ	মৌমাছি
ᱧᱮᱯᱮ ᱵᱩᱞᱩᱨ ᱨᱟᱥᱟ, ᱨᱟᱛᱟᱜ ᱨᱮ ᱥᱚᱞ ᱫᱮᱨᱟ ।	

ᱧᱩ	পান করা	ᱠᱷᱟᱧᱪᱟ	খাঁচা	ᱪᱮᱞᱮᱧ	নেউল

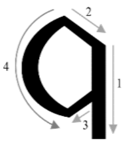

[illegible]	[illegible]
[illegible]	ব্যাঙ

[illegible]

[illegible]	মাছি	[illegible]	ছাগল	[illegible]	মাছরাঙা

ᱩ

ᱩᱞ

আম

ᱩᱞ ᱵᱟᱞᱟ ᱞᱮᱲᱮᱜ ᱞᱮᱲᱮᱜ,
ᱡᱳᱜ ᱡᱳᱥ ᱩᱚᱟᱠᱩᱚᱟ ᱫᱮᱲᱮᱜ ।

ᱩᱠᱷᱩᱲ	উরুন গাইন	ᱛᱩᱠᱩᱡ	হাঁড়ি	ᱵᱩᱨᱩ	পাহাড়

[illegible]

[illegible]

ছাতা

[illegible]

[illegible]	চাকা	[illegible]	বাবুই ঘাস	[illegible]	চামচ

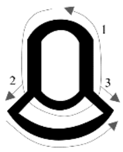

[illegible]

[illegible]

[illegible]

গাছ

[illegible]

[illegible]	জামা	[illegible]	উল্কি	[illegible]	খোঁপা

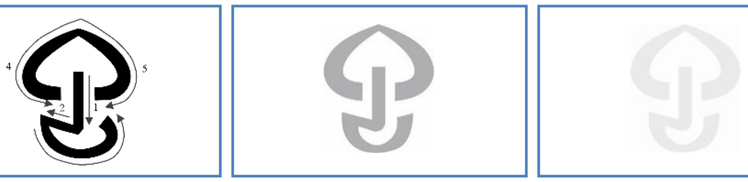

[illegible] | [illegible]

[illegible] | পাখি

[illegible]

[illegible]

[illegible]	তাঁতি	[illegible]	চ্যাং মাছ	[illegible]	জোয়াল

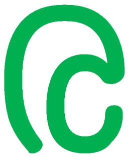

[illegible]

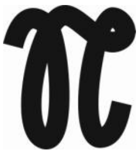

শিয়াল

[illegible]

[illegible]	কোকিল	[illegible]	কলা	[illegible]	সূঁচ

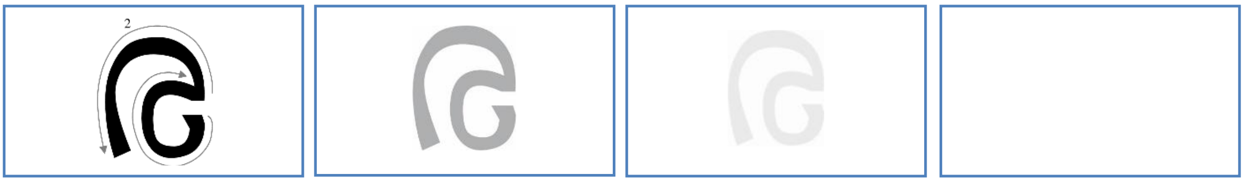

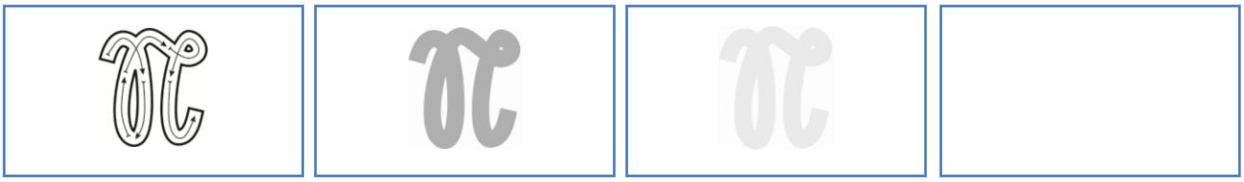

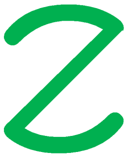

আলকুশি

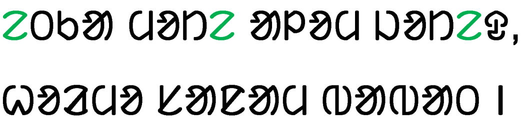

	শিমুল		নৃত্য		বট গাছ

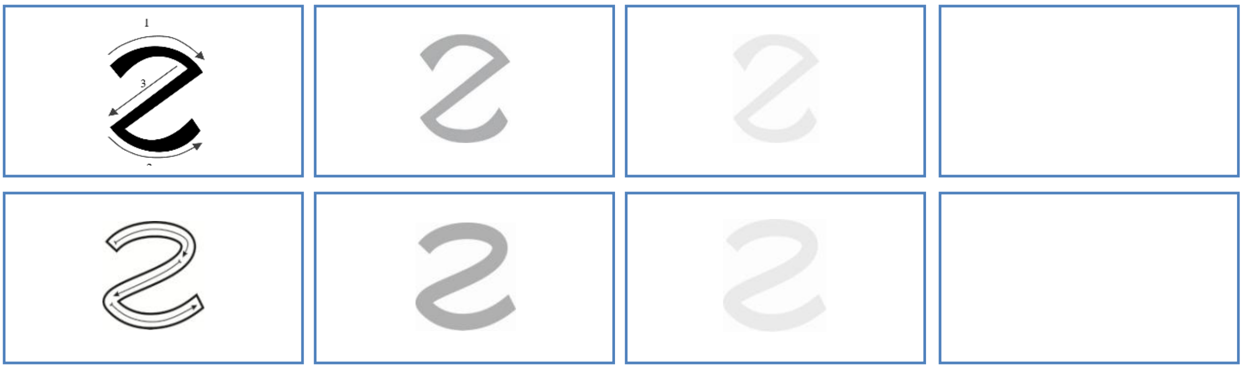

[illegible]	[illegible]
[illegible]	পায়রা

[illegible]

[illegible]	বিড়াল	[illegible]	কপাট	[illegible]	কাঁচি

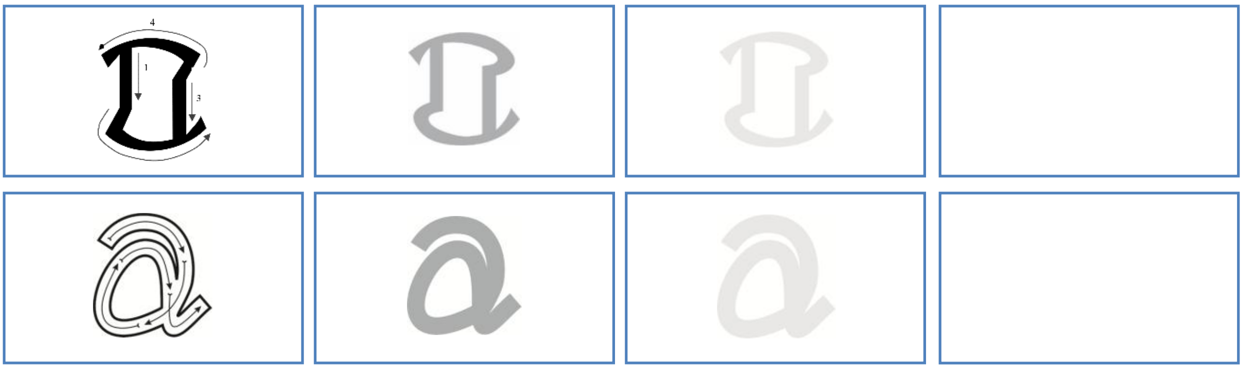

ᱫ

ᱫᱩᱯᱩᱞ

সাইকেল

ᱚᱟᱵᱟᱞ ᱟᱚᱮ ᱯᱟᱜᱟᱞ ᱫᱩᱯᱩᱞ,
ᱫᱮᱯᱮᱝ ᱫᱮᱯᱮᱝ ᱠᱮᱞᱟᱜ ᱫᱩᱯᱩᱞ ।

ᱫᱟᱦᱟᱨ	রাস্তা	ᱦᱟᱫᱜᱟᱨ	হায়না	ᱜᱮᱫᱮ	পাতিহাঁস

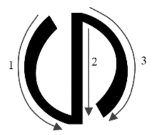

ᱱ	ᱱᱟᱦᱮᱞ
ᱱ	লাঙল

ᱱᱟᱦᱮᱞ ᱟᱨᱟᱝ ᱥᱩᱫᱟᱢ,
ᱵᱟᱛᱟ ᱦᱩᱫᱮᱭ ᱚᱩᱨᱟᱢ ।
ᱩᱱᱟ ᱚᱮᱜᱮ ᱩᱫᱟᱜ ᱩᱫᱟᱜ,
ᱛᱟᱨᱮᱫᱩᱜ ᱠᱟᱱ ᱥᱩᱡᱟᱜ ।

ᱱᱟᱭᱠᱮ	পূজারী	ᱱᱩᱱᱩᱞ	কলম	ᱡᱟᱞᱦᱟᱱ	সিম

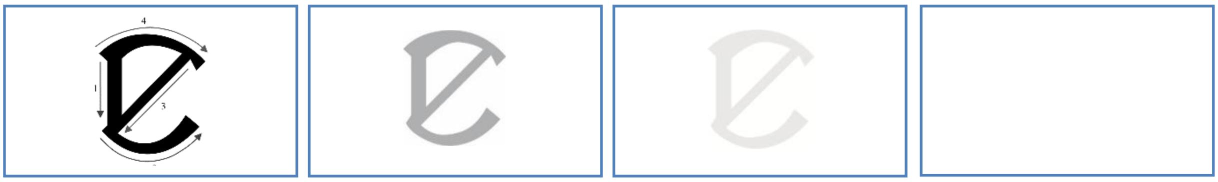

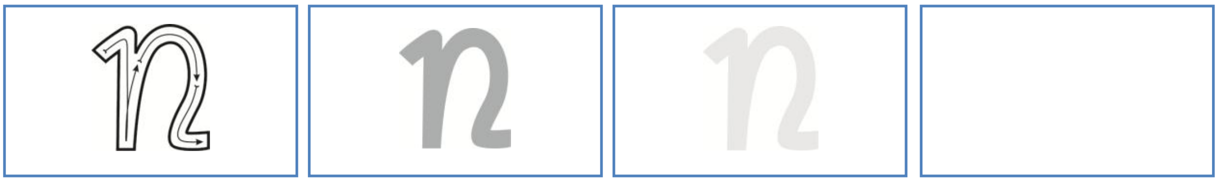

[illegible] [illegible]

[illegible] পাতার থালা

[illegible]

[illegible]	নূপুর	[illegible]	শিলনোড়া	[illegible]	গরুর গাড়ি

[illegible]	[illegible]
ও	ভোঁদড়

[illegible]

[illegible]	কুঁজো	[illegible]	কাঠবেড়ালি	[illegible]	মা

[illegible]	[illegible]	[illegible]	
ও	ও	ও	

[illegible]	[illegible]
[illegible]	ধামসা

[illegible]

[illegible]	বনবিড়াল	[illegible]	কাঠের ঘন্টা	[illegible]	হাট

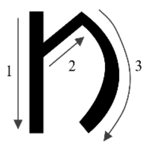

ᱵ	ᱵᱟᱱᱟ
ᱵ	ভাল্লুক

ᱵᱟᱱᱟ ᱡᱟᱞᱟᱨ ᱠᱟᱱᱟ,

ᱦᱟᱞᱟᱜ ᱮ ᱞᱟᱞᱟᱜ ᱠᱟᱱᱟ ।

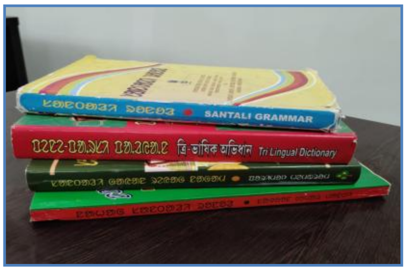

ᱵᱟᱦᱟ	ফুল	ᱵᱟᱵᱮᱞ	দড়ি	ᱯᱚᱛᱚᱵ	বই

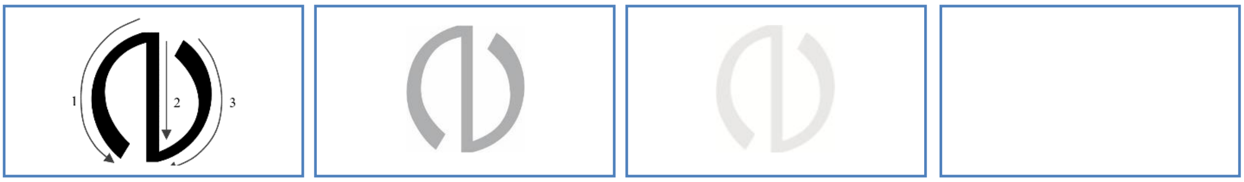

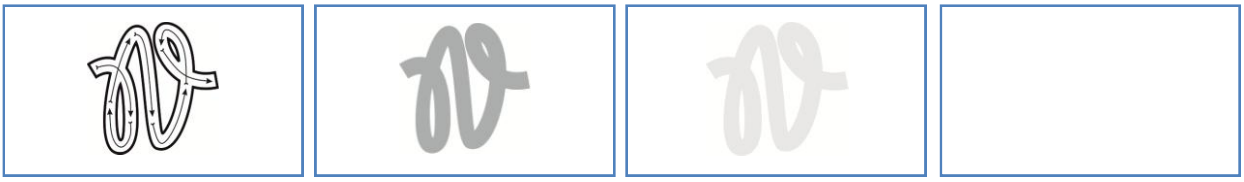

[illegible]	[illegible]
[illegible]	ভ্রমর

[illegible]

[illegible]	কাঠঠোকরা	[illegible]	জেলে	[illegible]	চামর

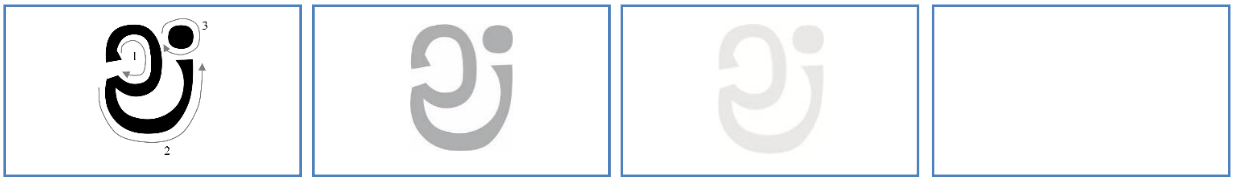

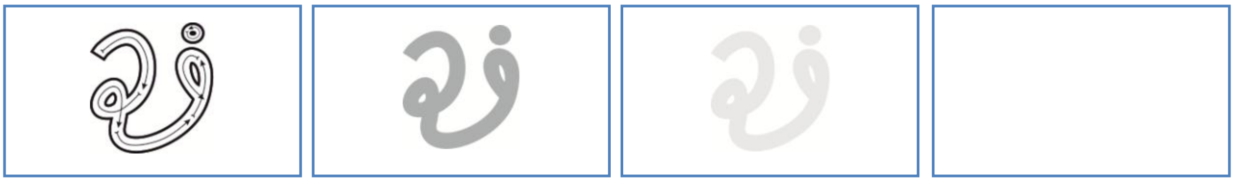

[illegible]

[illegible]

[illegible]

কলসি

[illegible]

[illegible]	পাথর	[illegible]	ভেড়া	[illegible]	কাঠ

[illegible]

বক

[illegible]

[illegible]	বাছুর	[illegible]	বেল	[illegible]	সজারু

[illegible]

হনুমান

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]	কাক	[illegible]	হাতি	[illegible]	নীড়

ঃ

[illegible]

ঃ

মোরগ

[illegible]

[illegible]	বাতাবি লেবু	[illegible]	ধানের গোলা	[illegible]	বাইম মাছ

ঃ	ঃ	ঃ	
ঃ	ঃ	ঃ	

~	[illegible]~[illegible]~
~	ঘেউ ঘেউ

[illegible] [illegible] [illegible]~ [illegible]~,
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]~ [illegible]~ ।

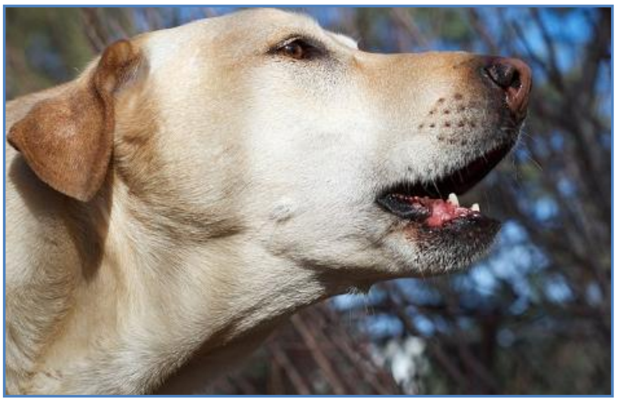

[illegible]~[illegible]~	ম্যা ম্যা	[illegible]~[illegible]~	ওঁয়া ওঁয়া	[illegible]~[illegible]~	চিঁ চিঁ

~	~	~	
~	~	~	

	[illegible]
	ময়ূর পালক
[illegible]	

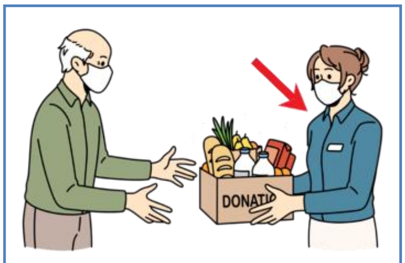	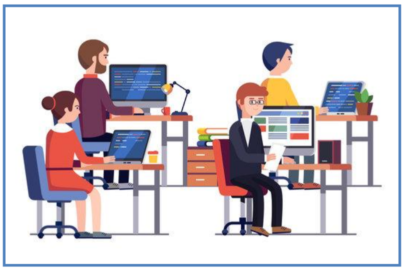	
[illegible] দাতা	[illegible] কর্মচারী	[illegible] চালক

[illegible]

[illegible]

[illegible]

জাম

[illegible]

[illegible]	বাদুড়	[illegible]	আমড়া	[illegible]	কাপড়

[illegible]			
[illegible]	[illegible]	এক	
[illegible]	[illegible]	দুই	
[illegible]	[illegible]	তিন	
[illegible]	[illegible]	চার	
[illegible]	[illegible]	পাঁচ	
[illegible]	[illegible]	ছয়	
[illegible]	[illegible]	সাত	
[illegible]	[illegible]	আট	
[illegible]	[illegible]	নয়	
[illegible]	[illegible]	দশ	
[illegible]	[illegible]	এগারো	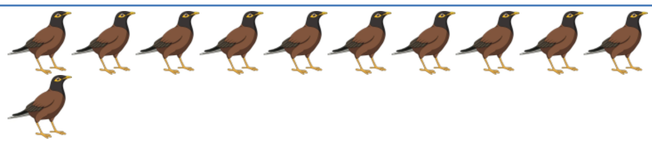
[illegible]	[illegible]	বারো	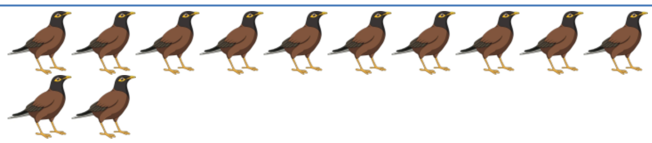
[illegible]	[illegible]	তেরো	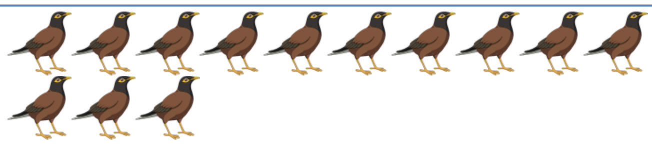
[illegible]	[illegible]	চৌদ্দ	

᱑᱕	ᱜᱮᱞ ᱢᱚᱬᱮ	পনেরো	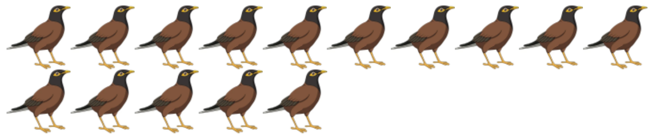
᱑᱖	ᱜᱮᱞ ᱛᱩᱨᱩᱭ	ষোল	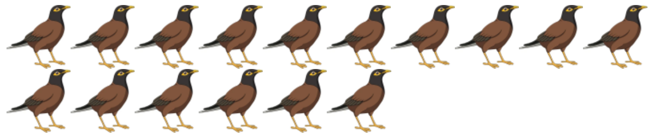
᱑᱗	ᱜᱮᱞ ᱮᱭᱟᱭ	সতেরো	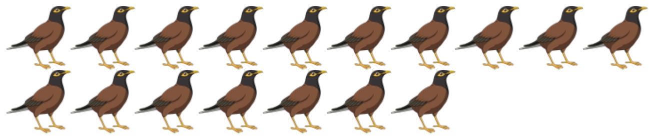
᱑᱘	ᱜᱮᱞ ᱤᱨᱟᱹᱞ	আঠারো	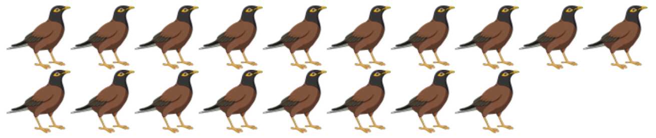
᱑᱙	ᱜᱮᱞ ᱟᱨᱮ	উনিশ	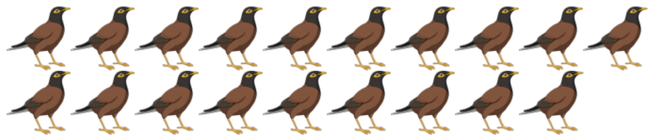
᱒᱐	ᱜᱮᱞ ᱵᱟᱨ	কুড়ি	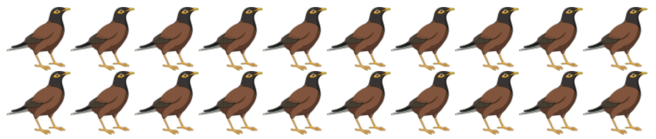

୨	୨	୨	୨	
୩	୩	୩	୩	
୪	୪	୪	୪	
୫	୫	୫	୫	
୬	୬	୬	୬	
୭	୭	୭	୭	
୮	୮	୮	୮	
୯	୯	୯	୯	
୧	୧	୧	୧	
୨୦	୨୦	୨୦	୨୦	

᱑᱑	᱑᱑	᱑᱑	᱑᱑	
᱑᱒	᱑᱒	᱑᱒	᱑᱒	
᱑᱓	᱑᱓	᱑᱓	᱑᱓	
᱑᱔	᱑᱔	᱑᱔	᱑᱔	
᱑᱕	᱑᱕	᱑᱕	᱑᱕	
᱑᱖	᱑᱖	᱑᱖	᱑᱖	
᱑᱗	᱑᱗	᱑᱗	᱑᱗	
᱑᱘	᱑᱘	᱑᱘	᱑᱘	
᱑᱙	᱑᱙	᱑᱙	᱑᱙	
᱒᱐	᱒᱐	᱒᱐	᱒᱐	

বাংলা বর্ণমালা

স্বরবর্ণ					
অ	আ	ই	ঈ	উ	ঊ
ঋ	এ	ঐ	ও	ঔ	

ব্যঞ্জনবর্ণ				
ক	খ	গ	ঘ	ঙ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ত	থ	দ	ধ	ন
প	ফ	ব	ভ	ম
য	র	ল	ব	
শ	ষ	স	হ	
ড়	ঢ়	য়		
ৎ	ং	ঃ	ঁ	

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

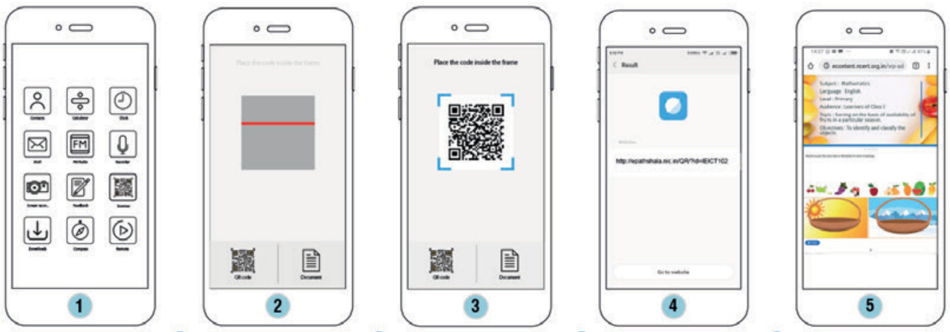

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE	9	KONKANI	17	SANSKRIT
2	BENGALI	10	MAITHILI	18	SANTALI
3	BODO	11	MALAYALAM	19	SINDHI
4	DOGRI	12	MANIPURI	20	TAMIL
5	GUJARATI	13	MARATHI	21	TELUGU
6	HINDI	14	NEPALI	22	URDU
7	KANNADA	15	ODIA		
8	KASHMIRI	16	PUNJABI		

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ADI	20	KINNAURI	39	MISING
2	ANAL	21	KISAN (KUNHU)	40	MIZO
3	ANGAMI	22	KODAVA	41	MOGH
4	AO	23	KOKBOROK	42	MUNDARI
5	BHILI (VASAVA)	24	KOLAMI	43	NYISHI (NISSI)
6	BHUTIA	25	KONDA	44	RABHA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI	26	KORKU	45	RAI
8	DEORI	27	KORWA	46	SHERPA
9	DIMASA	28	KOYA	47	SAVARA (SORA)
10	GADABA (GUTOB)	29	KUI	48	SÜMI (SEMA)
11	GARO	30	KUKI	49	TAMANG
12	HALBI	31	KURUKH	50	TANGKHUL
13	HMAR	32	KUZHALE (KHEZHA)	51	TANGSA
14	JATAPU (KUVI)	33	LEPCHA	52	TIWA (LALUNG)
15	JUANG	34	LIANGMAI	53	TULU
16	KABUI	35	LIMBU	54	WANCHO
17	KARBI	36	LOTHA		
18	KHANDESHI	37	MAO		
19	KHARIA	38	MISHMI (IDU)		

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in